Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to include the Kamtapuri language in the 8th Schedule of Constitution to protect the rights and culture of Koch Rajbongshi people of Drajeeling.

श्री राजू बिष्ट (दार्जिलिंग): अध्यक्ष महोदय, बंगाल का हर क्षेत्र विविध होते हुए भी अपनी मिट्टी, अपनी भाषा और अपने राष्ट्र के लिए सदैव गौरवान्वित होता रहा है । हमारे क्षेत्र में उप-समूह में एक बड़ा समूह कोजराजवंशी है । दार्जिलिंग, तराई और डुआर क्षेत्र में जनसमूह अपने आप को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करता है । अपनी अन्य परंपराओं के साथ ही उनकी मातृभाषा कामतापुरी भारत की सबसे मीठी बोलियों में से एक है लेकिन अभी संविधान की आठवीं अनुसूची में इसे शामिल नहीं किया गया है । भाषा वह कारक है जो सांस्कृतिक रूप से समाज को जोड़ कर रखती है । कोजरावंशियों के पास भाषा ही वह एक तत्व है जिसके माध्यम से वह आपस में अपने आप को जोड़ कर रख सकते हैं और हजारों साल पुरानी इनकी जाति और संस्कृति को बचाया जा सकता है । अत: आपके माध्यम से सरकार से मेरी प्रार्थना है कि संविधान की आठवीं अनुसूची में कामतापुरी भाषा को शामिल करा कर कामतापुरी भाषा, विरासत और संस्कृति को सुरक्षित करने के लिए सुनिश्चित करें ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजू बिष्ट द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री बी. बी. पाटील - उपस्थित नहीं ।

डॉ. राजकुमार रंजन सिंह- उपस्थित नहीं ।

श्री कुनार हेमब्राम - उपस्थित नहीं ।

श्री बसंत कुमार पांडा - उपस्थित नहीं ।

प्रो. सौगत राय - उपस्थित नहीं ।

श्री राज बहादुर सिंह - उपस्थित नहीं ।

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे- उपस्थित नहीं ।

श्री रवनीत सिंह - उपस्थित नहीं ।

श्री अजय भट्ट - उपस्थित नहीं ।